डॉ. बी.आर. अम्बेडकर का सामाजिक चिन्तन

सम्पादकद्वय

अजय कुमार मौर्य

रेखा खुशाल बडोले

डॉ. बी. आर. अम्बेडकर का सामाजिक चिन्तन

सम्पादकद्वय
अजय कुमार मौर्य
रेखा खुशाल बडोले

पालि सोसायटी ऑफ इण्डिया
वाराणसी

प्रकाशक

पालि सोसायटी ऑफ इण्डिया

सा. 15/134 मवईयाँ, सारनाथ, वाराणसी-221007

Mob. 9935874061, 9454890262

Email : ktpp483@gmail.com

प्रथम संस्करण : 2019

बुद्धाब्द : 2560

© सम्पादकद्वय

डॉ. बी. आर. अम्बेडकर का सामाजिक चिन्तन

ISBN No. : 978-81-939277-7-9

Price: 300

मुद्रक : श्री महावीर प्रेस, भेलूपुर, वाराणसी

सम्पादकीय

भारत की आन्तरिक एकता की आधारभूत व्यवस्था को परिवर्तित करने हेतु अनेक मनीषियों द्वारा प्रयास किया गया है। समाज परिवर्तन के मुद्दे को प्रधानता दिलाने वाले मनीषी डॉ. बी. आर. अम्बेडकर का भारत के इतिहास में प्रमुख स्थान है। सामाजिक जीवन में उनका प्रवेश 20वीं के आसपास हुआ। इनका सम्पूर्ण जीवन भारतीय समाज में सुधार के लिए समर्पित था। डॉ. अम्बेडकर उच्चकोटि के राष्ट्रभक्त और सामाजिक क्रान्ति के सूत्रधार और दलितों के मसीहा भी थे।

बाबासाहब डॉ. बी. आर. अम्बेडकर एक प्रबुद्ध विचारक, न्याय के पक्षधर और स्पष्टवादी व्यक्ति थे। उनको शोषण-उत्पीड़न व अन्याय के विरुद्ध समता, स्वतन्त्रता और बन्धुता जैसे मानवीय मूल्यों की स्थापना की प्रेरणा भगवान् बुद्ध, संत कबीर और ज्योतिबा राव फूले के जीवन दर्शन से प्राप्त थी।

बाबासाहब ने धर्मान्तरण कर बौद्ध धर्म को अपनाया क्योंकि; बौद्ध धर्म सामाजिक असमानता को समाप्त कर बंधुत्व भाव विकसित करता है। उनका मानना था कि बौद्ध धर्म भारतीय संस्कृति का अभिन्न अंग है और इससे न तो समाज को और न ही देश को किसी प्रकार का नुकसान होगा। वर्ण व्यवस्था और जाति व्यवस्था जैसी सामाजिक समस्याओं से व्यक्ति को मुक्ति मिलेगी।

वास्तव में यदि भारत को विश्वगुरू बनाना है तो जीवन के प्रत्यके क्षण समाज में सामाजिक समानता को विकसित करना होगा, अन्यथा केवल सामाजिक विचारधाराओं के बल पर मानवीय सुख की कल्पना नहीं कर सकते। समस्त विकृतियों, विषमताओं से मुक्त समाज व्यवस्था का मार्ग ही राष्ट्र कल्याण का मार्ग हो सकता है।

इस पुस्तक में डॉ. बी. आर. अम्बेडकर के सामाजिक चिन्तन के अन्तर्गत समता, स्वतंत्रता, बंधुता, न्याय, अस्पृश्यता, मानवाधिकार आदि विषयों पर आधारित लेखों का संकलन किया गया है। इस पुस्तक में वर्णित लेख

बाबासाहब के सामाजिक चिन्तन के विभिन्न आयामों पर प्रकाश डालते हैं। हमें आशा और विश्वास है कि बौद्ध धर्म और बाबासाहब में श्रद्धा रखने वाले जिज्ञासु, साहित्य प्रेमी और विद्यार्थी इससे लाभावान्वित होंगे। अन्त में, ग्रन्थ के प्रकाशक पालि सोसायटी ऑफ इण्डिया, वाराणसी के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त करते हुए ग्रन्थ के मुद्रक श्री महावीर प्रेस के प्रति भी अपनी कृतज्ञता व्यक्त करते हैं।

!! भवतु सब्बमंगलं !!

अजय कुमार मौर्य
शोधार्थी
तुलनात्मक धर्म दर्शन विभाग
सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी

रेखा खुशाल बडोले
शोध छात्रा
पालि प्राकृत विभाग
राष्ट्रसंत तुकडोजी महाराज नागपुर विद्यापीठ, नागपुर

विषय-सूची

सम्पादकीय

1. **डॉ. बाबासाहब अम्बेडकर प्रणीत सामाजिक समता एवं धर्मनिरपेक्षता** 01
   प्रो. डॉ. बालचन्द्र खाण्डेकर
2. **डॉ. अम्बेडकर के सामाजिक न्याय विचार** 08
   डॉ. मालती साखरे
3. **डॉ. बी. आर. अम्बेडकर का सामाजिक चिन्तन** 12
   डॉ. रमेशचन्द्र नेगी
4. **डॉ. अम्बेडकर के दर्शन में सामाजिक मुक्ति** 18
   डॉ. पिताम्बरदास
5. **सामाजिक संलग्न बौद्ध धर्म** 32
   डॉ. ज्ञानादित्य शाक्य
6. **डॉ. अम्बेडकर का मानवतावादी सामाजिक चिन्तन** 44
   डॉ. अनामिका सिंह
7. **डॉ. अम्बेडकर के सामाजिक न्याय की अवधारणा** 51
   अजय कुमार मौर्य

8. डॉ. अम्बेडकर का सामाजिक मानवतावाद 60
अर्चना देवराव हाडके

9. डॉ. अम्बेडकर का सामाजिक न्याय 64
बिना नगरारे

10. डॉ. अम्बेडकर के सामाजिक चिन्तन की अवधारणा 80
छाया रोडगे

11. डॉ. बी. आर. अम्बेडकर का धम्म : एक सामाजिक क्रांति 85
हिमाद्रि

12. डॉ. अम्बेडकर के सामाजिक चिन्तन में बन्धुता 90
इंदुमती ठवरे

13. डॉ. बी. आर. अम्बेडकर का धर्मान्तरण : एक सामाजिक परिवर्तन 103
लेखराम सेलोकर (भंते लोकपाल)

14. डॉ. बी. आर. अम्बेडकर के सामाजिक चिन्तन में छुआछूत की अवधारणा 115
प्रिती मंगेश नंदेश्वर व मंगेश नंदेश्वर

15. डॉ. बी. आर. अम्बेडकर के धम्म में नारी की स्थिति 121
रेखा खुशाल बडोले

16. डॉ. भीमराव अम्बेडकर की दृष्टि में समानता 129
रूपा वालदे

17. डॉ. बी. आर. अम्बेडकर के चिन्तन में स्त्री की स्वतन्त्रता 135
संतोष टी जांभुळकर

18. वर्ण व्यवस्था में शूद्रों की सामाजिक स्थिति 141
स्मिता वाडके

19. डॉ. बी. आर. अम्बेडकर के सामाजिक चिन्तन में अस्पृश्यता 146
स्वप्निल दामोधर नंदेश्वर

नाम	:	अजय कुमार मौर्य
पिता एवं माता	:	स्व. कालिका प्रसाद मौर्य एवं स्व. सहदेई मौर्या
स्थायी पता	:	ग्राम-सीवों (चिरौटा), पोस्ट-बरियासनपुर (चिरईगाँव), जिला-वाराणसी-221112
वर्तमान पता	:	धर्म चक्र विहार बुद्ध मन्दिर, मवईयाँ, सारनाथ वाराणसी-221007
जन्मतिथि	:	20 जुलाई, 1989 ई.
शैक्षिक योग्यता	:	एम.ए. दर्शनशास्त्र (महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ, वाराणसी)
सम्मान/पुरुस्कार	:	बोधि रत्न (2011), राज्यपाल पुरुस्कार (2013)
प्रकाशित कृतियाँ	:	खुद्दकपाठ (2017), सिगालोवादसुत्त (2018)
सम्प्रति	:	पी-एच.डी. शोधार्थी (तुलनात्मक धर्म दर्शन विभाग
	:	सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी)
सम्पर्क सूत्र	:	+91-9454890262, ई-मेल : bvs563@gmail.com

नाम	:	रेखा खुशाल बडोले
जन्मतिथि	:	30 मई, 1980
पिता-माता का नाम	:	स्व. खुशाल सखाराम बडोले चन्द्रकान्ता खुशाल बडोले
स्थायी पता	:	डॉ. बाबासाहेब अम्बेडकर नगर, तुमसर, भंडारा-441912
वर्तमान पता	:	हुडको कालोनी, जरिपटका, नागपुर-440026
शैक्षणिक योग्यता	:	एम.ए.- पालि (स्वर्ण पदक), नेट 2014 (पालि), एम.फिल् (पालि) राष्ट्रसंत तुकडोजी महाराज नागपुर विद्यापीठ, नागपुर
शोधार्थी	:	पी.-एच.डी. शोधार्थी (पालि प्राकृत विभाग) राष्ट्रसंत तुकडोजी महाराज नागपुर विद्यापीठ, नागपुर
सम्पर्क सूत्र	:	ई-मेल : rekhabadole4@gmail.com

मूल्य ₹ 300/-

PĀLI SOCIETY OF INDIA
SA 15/134, Mawaiya, Sarnath
Varanasi-221007, Uttar Pradesh (INDIA)
Email:ktpp483@gmail.com
website : www.palisocietyofindia.in

ISBN: 978-81-939277-7-9